इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 4 सितम्बर 2026

किसी को माफ करना
कमजोरी नहीं बल्कि [illegible]
की रेखा पर सकता है।
-महात्मा गांधी

वर्ष 19 अंक 4 मूल्य 4-00 पत्रक पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 29.5°C (-3.6) न्यूनतम 26.2°C(-1.3) सेंसेक्स 76,192.86 (-417.49) निफ्टी 23,873.45 (-41.00) सोना 1,55,800 चांदी 2,55,000 मुद्रा - डालर 94.54 दिरहम 25.74 रियाल 25.21

एरा यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय पोषण माह का आगाज

पोषण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ (सं)। स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार जितना जरूरी है, उतना ही स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण भी महत्वपूर्ण है। इसी संदेश के साथ एरा यूनिवर्सिटी के खाद्य एवं पोषण विभाग ने गुरुवार को राष्ट्रीय पोषण माह-2026 की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने पोषण को बीमारी की रोकथाम और बेहतर स्वास्थ्य का आधार बताया।

राष्ट्रीय पोषण माह एक से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी और उपकुलपति प्रो. फरजाना महदी मौजूद रहीं। खाद्य एवं पोषण विभाग की प्रमुख डॉ. कहकशां परवीन ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पोषण संबंधी सही जानकारी लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में साइंस फैकल्टी के डीन प्रो. अरविंद श्रीवास्तव, एलाइड हेल्थ साइंसेज फैकल्टी के डीन प्रो. सिद्धार्थ चंदेल और न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गर्ग ने भी विचार रखे। उन्होंने पोषण और स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता बढ़ाने वाली गतिविधियों की सराहना की और विद्यार्थियों से नेशनल न्यूट्रिशन मंथ-2026 के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी की अपील की। समारोह में गंभीर रूप से बीमार मरीजों में पोषण विषय पर व्याख्यान का भी छात्रों को लाभ मिला। केजीएमयू के ट्रॉमा सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. समीर मिश्रा ने क्रिटिकल मरीजों के उपचार और रिकवरी में समय पर पोषण सहायता की भूमिका समझाई। उन्होंने पोषण संबंधी जरूरतों के आकलन, सही योजना और उचित पोषण उपलब्ध कराने को उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्वस्थ पर्यावरण, टिकाऊ खाद्य व्यवस्था और बेहतर पोषण का आपस में गहरा संबंध है। विभाग सितम्बर भर जागरूकता कार्यक्रम, शैक्षिक गतिविधियां और विभिन्न सहभागिता आधारित आयोजन करेगा।